हिंदी भाषा का महत्त्व

पटेल भरतकुमार बी.
जी.डी.हाईस्कूल, विसनगर

१. १४ सितम्बर को हिंदी दिन के रूप में क्यों मनाया जाता है ?

१९४७ में जब भारत देश स्वतंत्र हुआ तो सबसे पहले यह प्रश्न सामने आया कि अब किस भाषा को राजभाषा के रूप में स्थान दिया जाय। क्योंकि यहाँ पर तो ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी भाषा का महत्त्व था, पर इस भाषा से सरलतापूर्वक कार्य नहीं हो सकता था। तब संविधान सभा में लम्बी चर्चा के बाद १४ सितम्बर १९४९ को हिंदी को भारत की राजभाषा स्विकार किया गया। इसके बाद संविधान में अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक राजभाषा के संबंध में व्यवस्था की गई और कहा गया कि - ' भारतीय संघ की राजभाषा हिंदी एवं देवनागरी है। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त अंको का रूप भारतीय अंको का आंतराष्ट्रीय स्वरूप (1,2,3 जैसे) है।

- राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी ने भी राजभाषा हिंदी होने के अनेक कारण बताए है। जैसे प्रयोग करनेवाले के लिए यह भाषा सरल है।
- इस भाषा के द्वारा भारतवर्ष का आपसी धार्मिक, आर्थिक और राजनैतिक व्यवहार हो सकता है।
- भारतवर्ष के बहुत से लोग इस भाषा को बोलते है।
- यह भाषा बोलने और लिखने में अन्य भाषाओं से सरल है।

इन सब बातों को ध्यान में रखकर हिंदी राजभाषा होना उचित और योग्य है। इस प्रकार हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया और धीरे-धीरे हिंदी का प्रयोग सरकारी कार्यो में बढता गया। १९८० में हिंदी को देवनागरी लिपि में लिखने की घोषणा की गई। यह प्रक्रिया काफी लम्बी जटिल थी, लेकिन हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया जाना भारतीय गणतंत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

'हिंदी दिन का महत्व' हिंदी भाषा के प्रसार और प्रचार के लिए है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों और समारोहों का आयोजन किया जाता है। जैसे कि - कवि सम्मेलन निबंध प्रतियोगिताएँ, हिंदी भाषा के प्रसार के लिए कार्यशालाएँ, हिंदी फिल्मों का प्रदर्शन, हिंदी नाटकों का मंचन और हिंदी संगीत कार्यक्रम आदि। इस प्रकार हिंदी दिन का उदेश्य हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करना और लोगों को इसके महत्व के बारें में जागरूक करना है।

- 'हिंदी दिन' मनाने के कारण ही आज - हिंदी दुनिया की चौथी सबसे ज्यादा बोली जानेवाली भाषा बन गई है। करीब ८० करोड लोग हिंदी बोलते है।
- भारत में करीब ७७ % लोग हिंदी लिखते, पढते और समझते है।

- हिंदी के कई शब्द जैसे अच्छा, बडा, दिन, सूर्यनमस्कार जैसे अनेक शब्द ओक्सफोर्ड डिक्शनरी में शामिल है।
- २०२२-२३ में इंजीनियरी की शिक्षा और मेडिकल की शिक्षा भी हिंदी में शुभारंभ की गई है।
- इस प्रकार हम देखे तो राष्ट्रभाषा हिंदी का महत्व प्रतिदिन बढता जाता है।